।। શ્રી મહાવીરાય નમઃ।।

શ્રી ગ્રેટર બોમ્બે વર્ધમાન સ્થાનકવાસી જૈન મહાસંઘ

સંચાલિત

માતુશ્રી મણિબેન મણશી ભીમશી છાડવા ધાર્મિક શિક્ષણ બોર્ડ

Website : www.jainshikshan.org **E mail :** jainshikshanboard@gmail.com

१६ जुलाई २०२३ - महिला मंडल **श्रेणी - १** **कुल गुण : १००**

सूचना : १) जे प्रमाणे सवाल पूछ्या होय ते प्रमाणे ज जवाब लखवा. वार्ता के थोकडाना लांबा जवाब लखवा नहि।

२) आपना जवाब पेपरमां आपे ओपन बुक आपी छे के रेग्युलर ए खास लखजो। जेमणे नहीं लख्युं होय तेमनो नंबर आवशे तो पण नंबर नहीं आपवामां आवे।

---

(४०)

प्र. १ (अ) नीचेना पाठनी पूर्ति करो। (१२)

१. आयाहिणं .... मंगलं २. गमणागमणे .... दग

३. पंच .... मंगलं ४. हुज्ज मे .... ताव

(आ) नीचेना शब्दोना गुजरातीमां अर्थ लखो। (६)

१. काउस्सग्गं २. ठाणाओठाणं ३. मंगलं ४. सक्कारेमि ५. ठाणेणं ६. विराहणाए

(इ) नीचेना शब्दोना मूळ पाठ लखो। (७)

१. त्रणवार २. करोळियाना जाळा ३. आप ज्ञानवंत छो ४. बगासुं आववाथी

५. वोसिरावुं छुं ६. अरिहंत भगवंतोने नमस्कार हो ७. त्रण ईन्द्रियवाळा जीव

(ई) नीचेना प्रश्नोना जवाब लखो। (१०)

१. त्रीजुं पद कोनुं छे? तेओ शुं करे छे? तेमना गुण केटला छे?

२. हिंसाना दोष क्यारे लागी शके छे? ते केटला प्रकारनी छे?

३. उपकारी गुरुने वंदन शा माटे कराय छे? सामायिकनो बीजो पाठ शेनो छे?

४. सर्व धर्म शेने प्राधान्य आपे छे? कायोत्सर्ग शारीरिक, मानसिक स्तरे अने आध्यात्मिक क्षेत्रे शुं छे?

५. सर्वोत्तम गुणवाळा आत्मानुं स्मरण करवाथी शुं थाय छे? ते शेनो नियम छे?

(उ) नीचेना प्रश्नोना जवाब एक शब्दमां लखो। (५)

१. नमस्कार सूत्रनुं बीजुं नाम शुं छे? २. सिद्ध भगवान शेना चक्रथी मुक्त थई गया छे?

३. पतंगियाने केटली ईन्द्रिय होय छे? ४. कीडी पर पावडर छांटता भयथी विह्वळ थाय तो कयो दोष लागे?

५. उत्कृष्ट वंदना कया आसने थाय? ६. आत्माने शल्य रहित करवा शुं करवुं जोईअे?

७. कायोत्सर्ग ए कयुं तप छे? ८. कोनी सामे मस्तक झुकावी आज्ञा हैये धरवानी छे?

९. मारुं जीवन केवुं होवुं जोईए? १०. वंदना करवाथी कया गुणोनी प्राप्ति थाय छे?

(२०)

प्र. २ (अ) सामान्य समजणना आधारे माग्या प्रमाणे जवाब लखो। (१२)

१. तीर्थंकर - ५ अने १२ २. गणधर - २ अने १० ३. सती - ४ अने १४ ४. कर्म - ३ अने ८

५. काय (गोत्र) - १ ली ६. द्रव्य - चोथुं ७. ज्ञानना आदर करावतुं साधन अने प्रभु साथे मिलन करावतुं उपकरण कयुं?

(आ) नीचेना प्रश्नोना जवाब लखो। (८)

१. पाथरणुं सफेद कलरनुं केम होय छे?

२. रोज कोनुं स्मरण अवश्य करवुं जोईए? ते शेनुं कारण बने छे?

३. दर्शनावरणीय कर्म शुं करे छे? आत्मानी श्रेष्ठ के निम्न कक्षानी प्रशंसा करावनार कर्म कयुं छे?

४. सतीनुं आभूषण कयुं छे? तेमना नाम स्मरणथी शेनी प्रेरणा मळे छे?

५. तीर्थंकर प्रथम देशनामां कया शब्दो आपे छे?

६. देवोने दुर्लभ कया उपकरणो छे? प्रभु जेवा बनवानी सरळ सीडी कइ छे?

७. सदाकाळ शाश्वत शुं छे? जेमां वर्ण, गंध, रस, स्पर्श होय तेने शुं कहेवाय?

८. .... जीवोमां .... कारणे अनंत प्रकारनी विविधता छे।

(१५)

प्र. ३ (अ) संस्कार विभागने आधारे नीचेना प्रश्नोना जवाब लखो। **(१०)**

१. दिवसनी शरुआत केवी रीते कराय? राते सूवा केवी रीते जवाय?

२. धर्मनो उपकार आपणा पर शुं छे?

३. विनयी व्यक्तिनी चाल, वाणी अने आंखो केवी होय छे?

४. आहार ग्रहण करवा माटे उत्तम समय कयो छे? रात्रिभोजन शा माटे न करवुं जोईए?

५. नट्स केवी रीते खावा जोईए? वेज-नोन वेज होटॅलमां शा माटे न जवुं जोईए?

(आ) नीचेना वाक्यो साचा छे के खोटा? खोटा होय ते सुधारीने लखो। **(५)**

१. शेठना उपकारथी मुक्त थवा तेमने धर्ममार्गनी प्रेरणा आपवी।

२. विनयी व्यक्ति जीवनना दरेक क्षेत्रमां सफळ थतो नथी।

३. जय-जिनेन्द्र जैनत्वनी ओळखाण छे।

४. जे आहार स्पर्श द्वारा ग्रहण करीए तेने कवल आहार कहेवाय।

५. कृतज्ञ व्यक्ति कोईना करेला नाना उपकारने राई जेटला माने छे।

प्र. ४ धर्म अने विज्ञानना आधारे माग्या प्रमाणे जवाब लखो। **(५)**

१. धर्ममां शेनुं ध्येय समायेलुं छे?

२. शब्द ए पुद्‌गल छे? ते सिद्धांत पर विज्ञाने शुं गोत्युं?

३. उकाळेला पाणी माटे विज्ञान शुं कहे छे?

४. वैज्ञानिको अवनवी शोध क्यां अने शेना द्वारा करे छे?

५. ईकागाइ जीवन पद्धतिथी जीवनारा लोकोनुं जीवन केवुं छे?

(१०)

प्र. ३ वार्ताना आधारे नीचेना प्रश्नोना जवाब लखो।

१. नयसार कोण हतो? क्यां रहेतो हतो? तेनो स्वभाव केवो हतो? तेमणे शुं नियम लीधो हतो?

२. मेघरथ राजा कोण हता? तेमनामां कयो गुण हतो? तेमनी परीक्षा करवा कोण आव्युं? शा माटे?

३. कमठ मृत्यु पामीने क्यां उत्पन्न थया? तेमणे प्रभुने शुं उपसर्ग आप्यो?

४. कल्याण मित्र कोने कहेवाय? अभयकुमारे आर्द्रकुमारने शुं भेट मोकली? भेट जोईने आर्द्रकुमारे शुं कर्युं?

५. कोण बोले छे अने कोने कहे छे? १) तेने में अभयदान आप्युं छे।
२) जे धर्ममां दया नथी ते धर्म नथी।

(१०)

प्र. ५ नीचेना काव्यनी पूर्ति करो.

१. आठ .... निराकार देव छे।

२. अरिहंत .... अनेरो।

३. वीर प्रभुना .... शूळ छे।

४. मान .... वधाराय ना।

जय जिनेन्द्र

❋ Please conatact DSB helpline no. for online shreni study classes. 9702277914

❋ Please join our Telegram group. Contact DSB helpline no. 9702277914